भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 373
दिनांक 20.07.2022/ 29 आषाढ़, 1944 (शक) को उत्तर के लिए

कश्मीरी पंडितों के खिलाफ बढ़ते अपराध और उन पर हमले

373. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को विगत कुछ महीनों में कश्मीरी पंडितों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं की जानकारी है;
(ख) यदि हां, तो हमलों की संख्या का ब्यौरा क्या है तथा इन लोगों को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) प्रशासन द्वारा इन हमलों को न रोक पाने के क्या कारण हैं;
(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान जम्मू और कश्मीर में आम नागरिकों पर हुए हमलों की वर्ष-वार और समुदाय-वार कुल संख्या कितनी है; और
(ड.) वर्ष 2019 से लेकर अब तक जम्मू और कश्मीर में आम-नागरिकों पर हुए हमलों की वर्ष-वार और समुदाय-वार कुल संख्या कितनी है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ग): सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस की नीति है और जम्मू कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आतंकवादी हमलों में काफी कमी आई है, जो वर्ष 2018 में 417 से कम होकर वर्ष 2021 में 229 हो गई है। पिछले कुछ महीनों के दौरान, जम्मू और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों पर हमले की दो घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है। सरकार ने घाटी में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें से एक मजबूत सुरक्षा और खुफिया ग्रिड, रात-दिन एरिया डोमिनेशन, गश्त और आतंकवादियों के विरूद्ध सक्रिय अभियान, नाकों पर चौबीसों घंटे चेकिंग, किसी भी आतंकवादी हमले को विफल करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर रोड ओपनिंग पार्टियों की तैनाती शामिल है।

(घ) और (ङ): पिछले पांच वर्षों के दौरान आम नागरिकों पर हुए हमलों की वर्ष-वार संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	आम नागरिकों पर हुए हमले
2018	33
2019	28
2020	28
2021	12
2022 (30 जून, 2022 तक)	07

******